आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–22 जून 2024 सान्ध्य समाचार

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा पारदर्शी तरीके से परीक्षा सम्पन्न करवाने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय सात सदस्यों वाली समिति का गठन किया है। यह समिति परीक्षा प्रक्रिया के तंत्र में सुधार, डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की संरचना व कार्यप्रणाली से जुड़े मुद्दों पर कार्य करेगी । आईआईटी कानपुर में बीओजी अध्यक्ष और इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ के राधाकृष्णन को इस समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। शिक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव गोविंद जायसवाल इस समिति के सदस्य सचिव होंगे। एम्स दिल्ली के पूर्व निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया, केंद्रीय विश्वविद्यालय हैदराबाद के कुलपति प्रो बीजे राव, आईआईटी मद्रास के डिपार्टमेंट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर राममूर्ति के, आईआईटी दिल्ली के डीन स्टूडेंट अफेयर्स प्रोफेसर आदित्य मित्तल और पिपुल स्ट्रांग के सह संस्थापक व कर्मयोगी भारत के बोर्ड सदस्य पंकज बंसल इस समिति के सदस्य होंगे। इस समिति को दो महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है।

इस बीच, इस वर्ष की संयुक्त सी एस आई आर–यू जी सी–नेट परीक्षा अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण से स्थगित कर दी गई है। यह परीक्षा मंगलवार से बृहस्पतिवार के बीच होनी थी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी–एनटीए ने कहा कि इसके आयोजन के लिए संशोधित कार्यक्रम आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से बाद में घोषित किया जाएगा। एनटीए ने कहा है कि किसी भी प्रश्न या स्पष्टीकरण के लिए अभ्यर्थी एनटीए हेल्प डेस्क के नंबर 011– 4 0 7 5 9 0 0 0 और 011–6 9 2 2 7 7 0 0 पर कॉल कर सकते हैं। अभ्यर्थी सीएसआईआरनेट एट दी रेट ऑफ एनटीए डॉट एसी डॉ इन पर मेल करके लिखित जानकारी भी ले सकते हैं।

****

फिरोजाबाद में अभिरक्षा में बंदी की मौत के मामले में मजिस्ट्रेटियल जांच कराई जाएगी। वहां के एसपी सिटी सर्वेश कुमार मिश्र ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि बंदी की मौत के बाद कानून व्यवस्था की स्थिति बिगाड़ने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी । इस बीच 28 वर्षीय बंदी आकाश के शव का परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक के परिजनों को पांच लाख का चेक प्रशासन द्वारा दिया गया । उधर, बसपा सुप्रीमों मायावती ने भी एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये दलित युवक आकाश की अभिरक्षा में हुई मौत के मामले के जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

****

अयोध्या में भगवान रामलला का प्राण प्रतिष्ठा करवाने वाले मुख्य पुरोहित आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित का आज वाराणसी में निधन हो गया । वह चौरासी वर्ष के थे और लंबे समय से गंभीर तौर से बीमार थे। उनका अंतिम संस्कार वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर किया गया। प्रदेश के मुरादाबाद जिले में जन्म लेने वाले स्व. दीक्षित वाराणसी के सांगवेद महाविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य रहे। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विश्व हिंदू परिषद ने गहरा शोक जताया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर अपने शोक संदेश में कहा कि दीक्षित जी काशी की विद्वत परम्परा के युगपुरूष थे। उनका निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति की सेवा के लिए वह सदैव स्मरणीय रहेंगे। उनका निधन आध्यात्म और साहित्य जगत की अपूरणीय क्षति है। विश्व हिंदू परिषद के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने अयोध्या में उनके शोक जताया और उनके निधन को राष्ट्रीय क्षति बताया ।

****

एक जुलाई से लागू हो रहे नये आपराधिक कानूनों के बारे में गृह मंत्रालय व्यापक प्रचार प्रसार कर रहा है। मंत्रालय द्वार जारी प्रचार सामग्री के जरिये बताया गया है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के अनुसार दस साल या उससे अधिक अथवा आजीवन कारावास या मौत की सजा वाले अपराधों में कानूनी कार्यवाही से फरार किसी भी व्यक्ति को घोषित अपराधी कहा जाएगा। ऐसे अपराधियों के लिए भारत के बाहर स्थित उनकी संपत्ति की पहचान, कुर्की और जब्ती का एक नया प्रावधान जोड़ा गया है। ऐसे अपराधियों के अनुपस्थिति में भी सुनवाई की प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी, जिससे पीड़ित और समाज को न्याय के लिए इंतजार करने की आवश्यकता नहीं होगी।

****

मिशन अमृत सरोवर के विकास के कार्य में उत्तर प्रदेश ने अस्सी फीसदी का लक्ष्य पूरा कर देश में पहला स्थान हासिल किया है। अमृत सरोवर विकास रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में सबसे बेहतर कार्य कर गाजियाबाद टॉप पर है । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह जनपद गोरखपुर भी चौथा स्थान हासिल कर टॉप फाइव में शामिल है। महराजगंज जनपद दूसरे स्थान पर, बांदा तीसरे स्थान पर और नोएडा इस मामले में पांचवें पायदान पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के उन जनपदों को चेतावनी दी है जहां मिशन अमृत सरोवर के कार्य की प्रगति धीमी है। इस योजना के जरिये प्रदेश में वर्षा जल का सुरक्षित और शुद्ध संचयन सुनिश्चित करने पर जोर है।

****

मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के भीतर पूर्वी उत्तर प्रदेश में मानसून के दस्तक देने की संभावना जताई है। इस बीच, गोरखपुर व इसके आसपास के जिलों और अयोध्या समेत प्रदेश के कुछ अन्य जिलों में पिछले चौबीस घंटों के बीच हल्की से लेकर मध्यम वर्षा हुई। मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि यह प्री मानसून बारिश है और अब मानसून के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा ।

****